श्रीगंगानगर में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

बीजेपी के 30, कांग्रेस के 17 और 18 निर्दलीय ने जीत दर्ज कराई

श्रीगंगानगर, (निसं)। नगर परिषद के 65 वार्डों के नतीजे सामने आने के बाद अब बोर्ड गठन की तस्वीर भी लगभग साफ हो गई है। भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि कांग्रेस को 17 और निर्दलीयों को 18 वार्डों में जीत मिली है।

नगर परिषद में बोर्ड बनाने के लिए 33 पार्षदों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में भाजपा बहुमत के आंकड़े से महज 3 सीट दूर है। यदि भाजपा समर्थित माने जा रहे निर्दलीय पार्षदों में से कम से कम 3 भाजपा के साथ आते हैं, तो भाजपा आसानी से बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंच सकती है। हालांकि, यही निर्दलीय पार्षद अब बोर्ड गठन में सबसे अहम भूमिका निभाएंगे। चुनाव परिणामों के बाद निर्दलीयों में करीब 7 से 8 पार्षदों को भाजपा समर्थित बताया जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में पार्षदों की राजनीतिक स्थिति और समर्थन बोर्ड गठन की दिशा तय करेगा।

- **यदि भाजपा समर्थित माने जा रहे निर्दलीय पार्षदों में से कम से कम 3 भाजपा के साथ आते हैं, तो भाजपा आसानी से बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंच सकती है, हालांकि, यही निर्दलीय पार्षद अब बोर्ड गठन में सबसे अहम भूमिका निभाएंगे**

मतगणना के शुरुआती दौर से ही भाजपा ने बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। वार्ड नंबर 2 से भाजपा की संगीता देवी और वार्ड नंबर 5 से संजय शर्मा ने जीत दर्ज कर पार्टी का खाता मजबूत किया। वहीं, कांग्रेस ने भी शुरुआती परिणामों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वार्ड नंबर 1 से कांग्रेस के अनूप सिंह बाजवा और वार्ड नंबर 4 से कांग्रेस की कर्मजीत कौर ने जीत हासिल की। वार्ड नंबर 4 का मुकाबला बेहद करीबी रहा और कर्मजीत कौर ने महज 4 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 54 का परिणाम भी भावुक कर देने वाला रहा। यहां भाजपा के अमरजीत गिल के चुनाव जीतने के बाद उनके बेटे ने उन्हें गले लगाकर खुशी के आंसू बहाए। श्रीगंगानगर नगर परिषद के चुनाव परिणामों में भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई हो, लेकिन उसके पास अपने दम पर बोर्ड बनाने के लिए जरूरी बहुमत नहीं है। भाजपा के पास 30, कांग्रेस के पास 17 और निर्दलीयों के पास 18 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 33 होने के कारण भाजपा को कम से कम 3 पार्षदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। अब असली राजनीतिक गणित 18 निर्दलीय पार्षदों के इर्द-गिर्द घूमेगा। इनमें से कितने पार्षद भाजपा के साथ जाते हैं और कितने स्वतंत्र रुख रखते हैं, यह बोर्ड गठन में निर्णायक होगा।

सहायक अभियंता तीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पंचायत समिति भुसावर में ए.सी.बी. चौकी भरतपुर इकाई ने कार्रवाई की

भरतपुर, (निसं)। ए.सी.बी. चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता, पंचायत समिति भुसावर, जिला भरतपुर को परिवादी से तीस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एएसपी अमित सिंह ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी संवेदक एवं सहपरिवादी की माप पुस्तिका तथा कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र को सत्यापित कर हस्ताक्षर करने की एवज में गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता, पंचायत समिति भुसावर, जिला भरतपुर द्वारा तीस हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

रिश्वत का आरोपी

जिस पर ए.सी.बी. रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी भरतपुर के अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम द्वारा आज ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता को परिवादी से तीस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

- **माप पुस्तिका तथा कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र को सत्यापित करने की एवज में रिश्वत मांगी**

झुंझुनूं नगर परिषद में कांग्रेस की वापसी, निर्दलीयों का दबदबा

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की 18 नगरपालिकाओं और झुंझुनूं नगर परिषद सहित 19 नगरीय निकायों के सोमवार को घोषित हुए चुनाव परिणामों ने जिले की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। 555 वार्डों के सामने आए पार्टीवार परिणामों में निर्दलीयों ने 203 सीटें जीतकर सबसे बड़ा समूह बनाया है, जबकि राजनीतिक दलों में कांग्रेस 194 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा को 157 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। माकपा (सीपीआईएम) को उदयपुरवाटी में एक सीट मिली है। कांग्रेस ने भाजपा पर बढ़त बनाई, लेकिन किसी एक दल के बजाय निर्दलीयों ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर शहरी राजनीति की दिशा तय करने की ताकत हासिल कर ली।

कुल 555 सीटों के आंकड़ों में कांग्रेस को 194, भाजपा को 157 और निर्दलीयों को 203 सीटें मिलीं। इस लिहाज से कांग्रेस ने भाजपा से 37 सीट अधिक जीती हैं। लेकिन निर्दलीय कांग्रेस से भी 9 सीट आगे हैं। राजनीतिक तौर पर इसे कांग्रेस की जिले में मजबूत वापसी के तौर पर देखा जा रहा है, जबकि भाजपा के लिए कई निकायों में पार्टी प्रत्याशियों के बजाय स्थानीय और निर्दलीय चेहरों का मजबूत प्रदर्शन चुनौती बनकर सामने आया है।

- **झुंझुनूं नगर परिषद में कांग्रेस 30 पर, बहुमत से सिर्फ एक कदम दूर**

बगड़ में 20 वार्डों में निर्दलीयों ने 11 सीटें, भाजपा ने 6 और कांग्रेस ने 3 सीटें जीतीं। बहुमत का आंकड़ा 11 है। इसलिए निर्दलीय अपने दम पर बोर्ड बनाने की स्थिति में हैं। बिसाऊ में 25 वार्डों में भाजपा ने 13, कांग्रेस ने 12 सीटें जीतीं। बहुमत का आंकड़ा भी 13 है। इसलिए भाजपा का बोर्ड बनने की स्थिति सबसे मजबूत है। बुहाना में भाजपा 9, कांग्रेस 8 और निर्दलीय 3 पर हैं। बहुमत के लिए 11 चाहिए। भाजपा को बोर्ड के लिए कम से कम 2 निर्दलीयों का समर्थन हासिल करना होगा। यहां निर्दलीय किंगमेकर हैं। चिड़ावा में 45 में से निर्दलीय 22, कांग्रेस 13 और भाजपा 10 पर है। बहुमत 23 का है। निर्दलीय सिर्फ एक सीट दूर हैं। एकजुट रहे तो बोर्ड बनाने की स्थिति में हैं; अन्यथा किसी दल के साथ गठजोड़ निर्णायक होगा। डूंडलोद में 20 में से निर्दलीय 10, कांग्रेस 8 और भाजपा 2। बहुमत 11 है। निर्दलीय बहुमत से एक कदम दूर हैं और एक समर्थन से बोर्ड का गणित बदल सकता है। जाखल में 20 में से भाजपा ने 15 सीटें जीतीं। कांग्रेस 4 और निर्दलीय 1 पर रहे।

झुंझुनूं नगर परिषद-कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी :- 60 वार्डों में कांग्रेस 30, भाजपा 15 और निर्दलीय 15 पर हैं। बहुमत का आंकड़ा 31 है। कांग्रेस को सिर्फ एक पार्षद के समर्थन की जरूरत है। इसलिए झुंझुनूं शहर में कांग्रेस बोर्ड बनाने की सबसे मजबूत स्थिति में है। भाजपा के 15 और निर्दलीयों के 15 को जोड़ने पर भी आंकड़ा 30 ही बैठता है। ऐसे में भाजपा को सत्ता तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाना पड़ेगा।

खेतड़ी में 25 में निर्दलीयों ने 13, भाजपा 8 और कांग्रेस 4 सीटें जीतीं। मलसीसर में कांग्रेस 10, भाजपा 7 और निर्दलीय 3 पर हैं। बहुमत 11 है। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और एक सीट के समर्थन से बोर्ड बना सकती है। मंडावा में कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं। भाजपा 6 और निर्दलीय 3 पर हैं। कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत है। कांग्रेस का बोर्ड बनना लगभग तय है।

अज्ञात चोरों ने कटर से काटकर एटीएम लूटा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी-नागौर राजमार्ग संख्या 19 पर आऊ कस्बे में स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को अज्ञात चोरों ने कटर से काटकर लूट लिया। यह वारदात देर रात करीब दो बजे के बाद हुई। चोरों ने वारदात से पहले बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया था। हालांकि, शुरुआती जांच में फुटेज में तीन संदिग्ध चोर दिखाई दिए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही भोजासर थानाधिकारी जमील खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाए। अब पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश कर रही है।

बैंक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। लोहावट सीओ भवानी सिंह ने भी घटनास्थल का मुआयना किया और पुलिस अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस जल्द ही इस वारदात का खुलासा करने की कोशिश कर रही है।

कोटा में नेतृत्व विहीनता, गुटबाजी और गुंजल की उपेक्षा से हारी कांग्रेस

कोटा, (निसं)। पूर्वानुमान के अनुसार ही कोटा नगर निगम के चुनाव परिणाम सामने आए हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ बोर्ड बनाने की स्थिति है और कांग्रेस यहां पर अपना गढ़ ढहा कर बैठी है। पिछली बार यहां पर दोनों ही नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड था। भाजपा ने दो नगर निगम खत्म करके एक कर दिया और अब उस पर भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड काबीज होगा। कोटा नगर निगम में 100 वार्ड हैं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी 55 तथा कांग्रेस 38 वार्ड जीत सकी है, जबकि चार वार्डों में निर्दलीयों ने अपना परचम लहराया है।

देर शाम तक तीन वार्ड का परिणाम ईवीएम में खराबी के चलते रुका हुआ था। सही मायनो में कहा जाए तो कांग्रेस यहां पर जीती बाजी हार गई। शुरुआत से यह माना जा रहा था कि कोटा में कांग्रेस मजबूत स्थिति के साथ बोर्ड बनाएगी, लेकिन टिकट वितरण की हलचल के साथ ही कांग्रेस का नुकसान होना शुरू हो गया। टिकट वितरण में इस कदर गुटबाजी चली कि कांग्रेस के नेता अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई ही लड़ते रहे। कांग्रेस के दिग्गजों मठाधीशों की जाजम खाली ना हो जाए इसलिए उन्होंने अपने समर्थक चेहरों को मैदान में उतारा जो हार या जीत दोनों ही स्थिति में उनकी जाजम पर बैठे रहे। कांग्रेस के टिकट वितरण में अपनी जिताऊ उम्मीदवार शालिनी गौतम जो महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष हैं का टिकट काट दिया। उस वार्ड से कांग्रेस हार गई। चर्चा यह है कि शालिनी गौतम का टिकट इसलिए काटा गया था क्योंकि वह कोटा दक्षिण विधानसभा में लोकप्रियता हासिल करने लगी थी। जिसके चलते गुटबाजी हुई और उनका टिकट कट गया। इसी तरीके से वार्ड 77 में निर्दलीय प्रत्याशी रानी जुबेर चुनाव जीत गई। रानी जुबेर के पति जुबेर खान कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैं। उन्हें नईमुद्दीन गुड्डू खेमे का नेता माना जाता है। परंतु यहां पर शांति धारीवाल ने मनमर्जी करते हुए अपने समर्थक को प्रत्याशी बना दिया और कांग्रेस यहां चुनाव हार गई।

- **कोटा में कांग्रेस के मठाधीशों ने टिकट वितरण तक तो अति सक्रियता दिखाई, लेकिन उसके बाद वह निष्क्रिय हो गए**
- **कांग्रेस प्रत्याशियों ने पूरा चुनाव खुद की दम पर ही लड़ा, इसलिए यह जीत कांग्रेस के दिग्गजों की नहीं, बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मानी जानी चाहिए**
- **भाजपा को भी नुकसान हुआ है, परंतु भाजपा नेतृत्व ने उस नुकसान को बहुत हद तक कम कर दिया था**

कांग्रेस के मठाधीशों ने टिकट वितरण में जितनी सक्रियता दिखाई, उतना ही वे अपने प्रत्याशियों को टिकट दिलाने के बाद निष्क्रिय हो गए। सबने अपने-अपने समर्थकों को अपने हिस्से के टिकट तो दिला दिए लेकिन उनकी जीत के लिए कोई दिखने वाले प्रयास नहीं किए। कांग्रेस प्रत्याशी नेतृत्व विहीन होकर चुनाव लड़ते रहे। परंतु ना स्थानीय नेतृत्व को इसकी चिंता थी और ना प्रदेश नेतृत्व ने इस बात की परवाह की। कांग्रेस प्रत्याशी टिकट मिलने के बाद खुद की दम पर ही चुनाव लड़ते रहे। उनके प्रचार के लिए शांति धारीवाल जैसे दिग्गज नेता ने कोटा में एक भी सभा नहीं की। जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए खुद मुख्यमंत्री भजनलाल कोटा आए, रोड शो किया और सभा को संबोधित किया। यहां सिर्फ गलती कांग्रेस के स्थानीय मठाधीशों की ही नहीं रही, कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की भी है।

कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व कोटा कांग्रेस के मठाधीशों के दबाव में रहा। इसके चलते उसने कोटा कांग्रेस में नई जान फूंकने वाले प्रहलाद गुंजल की भी उपेक्षा कर दी। प्रहलाद गुंजल 30 प्रतिशत टिकट मांग रहे थे लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने अपना गुट बनाकर ऐसा दबाव डाला की गुंजल को केवल पांच टिकट ही मिल पाए। कोटा के आम कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चर्चा है कि अगर प्रहलाद गुंजल को टिकट वितरण में महत्व दिया जाता तो कांग्रेस को एक नेतृत्व मिलता, जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित होते, चुनावी मैनेजमेंट का एक गणित होता और कांग्रेस एकजुट नजर आती। लेकिन दुविधा यह थी कि अगर प्रहलाद गुंजल कोटा में मजबूत होते तो कांग्रेस के स्थानीय मठाधीशों की जमीन खिसक सकती थी। अब कांग्रेस को निकाय चुनाव में जीत दिलाने के लिए कांग्रेस के मठाधीश अपना अस्तित्व तो दाव पर लगा नहीं सकते थे।

ऐसा नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी के अंदर सब कुछ ठीक था। यहां पर भी टिकट वितरण को लेकर नाराजगी थी, लेकिन भाजपा के स्थानीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व ने डैमेज को संभालने के लिए हर संभव प्रयास किया। जिसका परिणाम यह रहा की भारतीय जनता पार्टी बहुमत प्राप्त करने में सफल रही।

सीकर में कांग्रेस को बहुमत मिला

सीकर, (निसं)। सीकर निकाय चुनाव के रिजल्ट में कांग्रेस को बहुमत मिल गया है। लगातार तीसरी बार कांग्रेस ने नगर परिषद पर पंजा जमाया है। आज जीते सभी पार्षदों में सबसे अमीर पूर्व सभापति जीवण खां की पत्नी खतीजा बानो हैं। वहीं, जीत का सबसे कम अंतर वार्ड 6 में सिर्फ 20 वोटों का रहा। वहीं, सबसे ज्यादा अंतर वार्ड 9 में 1680 वोटों का रहा।

वार्ड नं 15 से पूर्व सभापति जीवण खां ने भी चुनाव जीत लिया है। सीकर के 65 वार्डों में सबसे नजदीकी टक्कर वार्ड नं 18 में रही, जहां कांग्रेस के साबिर और के युनुस को बराबर वोट मिले। इसके बाद लॉटरी में के युनुस को विजयी घोषित किया गया। वहीं सीकर में सबसे बड़ी जीत वार्ड नंबर-9 में हुई, जहां कांग्रेस के प्रत्याशी मुश्ताक तंवर ने भाजपा के मोहम्मद सलीम को 1680 वोटों से हराया।

सीकर नगर परिषद के नए बोर्ड में 6 करोड़पति प्रत्याशी जीते हैं। इनमें भाजपा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व वार्ड नं 35 से अशोक चौधरी, वार्ड नं 49 से संतोष देवी हैं। वहीं, कांग्रेस के पूर्व सभापति व वार्ड नं15 से जीवण खां, वार्ड नं 16 से खतीजा बानो, वार्ड नं 22 से इंदर सिंह पाटोदा और वार्ड नं-62 से शारदा देवी हैं।

भरतपुर नगर निगम चुनाव परिणाम में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते

आरएलपी को पहली बार एक सीट मिली, वहीं बसपा उम्मीदवार मोती सिंह इस बार भी चुनाव जीते

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम चुनाव के 65 वार्डों के सभी नतीजे सामने आ गए हैं। चुनाव परिणाम में निर्दलीय प्रत्याशियों ने सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा को 20, कांग्रेस को 7, जबकि बीएसपी और आरएलपी को एक-एक वार्ड में जीत मिली है। निर्दलीयों के बहुमत से बोर्ड गठन में उनकी भूमिका बेहद अहम हो गई है।

इस चुनाव में निगम के वार्ड 19 से पूर्व मेयर शिव सिंह भौंट को भाजपा प्रत्याशी मनोज सिंह ने हराया। मनोज सिंह का नाम कांग्रेस व भाजपा दोनों ने उम्मीदवार घोषित किया था बाद में उन्होंने भाजपा के सिंबल पर चुनाव लड़ा। मनोज सिंह पहले भी पार्षद रह चुके हैं। जबकि पूर्व मेयर शिवसिंह की पत्नी विचित्रा सिंह चुनाव में अन्य वार्ड से विजयी रही हैं। इस चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेता भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री हंसिका गुर्जर, जिलाध्यक्ष कविता गोयल वार्ड 60 से, ब्रजेश अग्रावाल की पत्नी कुसुम, डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी की पत्नी मीनू चौधरी एवं प्रदेश प्रवक्ता शैलेश कौशिक की पत्नी भी चुनवा हार चुकी है। कांग्रेस में संजय शुक्ला एवं निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष इंद्रजीत भारद्वाज चुनाव हार चुके हैं। जबकि निगम के निवर्तमान डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी की पत्नी भाजपा उम्मीदवार मीना कुमारी मीनू चौधरी वार्ड 18 से चुनाव हार चुकी है। मीनू चौधरी को भाजपा से मेयर पद का दावेदार माना जा रहा था। मीनू चौधरी पूर्व में प्रधान भी रह चुकी हैं।इस चुनाव आरएलपी को फायदा मिला है नगर निगम चुनाव में पहली बार आरएलपी पार्टी का उम्मीदवार गोपाल कश्यप चुनाव जीते हैं। वहीं बसपा उम्मीदवार मोती सिंह इस बार भी चुनाव जीते है।

- **65 वार्डों में से 36 वार्डों में निर्दलीय जीते, बीजेपी 20, कांग्रेस 7 पर सिमटी**
- **कांग्रेस में संजय शुक्ला एवं निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष इंद्रजीत भारद्वाज चुनाव हारे**

भरतपुर नगर निगम चुनाव 2026 की मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गई। नगर निगम के सभी 65 वार्डों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव परिणाम में निर्दलीय प्रत्याशियों ने राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा 36 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा ने 20 वार्डों में जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस के खाते में महज 7 वार्ड आए। इस तरह 65 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से अधिक रही। निर्दलीयों ने भाजपा और कांग्रेस की कुल 27 सीटों से भी 9 ज्यादा वार्डों में जीत दर्ज की है। ऐसे में अब नगर निगम में बोर्ड गठन को लेकर निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पोकरण में ड्रोनाथॉन-2026 का उद्घाटन

जैसलमेर, (नि.सं.)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित वाइस चीफ़ ऑफ़ एयर स्टाफ़ ने सोमवार को जैसलमेर के पोकरण फ़ील्ड फ़ायरिंग रेंज में पहले इंडियन एयर फ़ोर्स ड्रोनाथॉन-2026 का उद्घाटन किया।

जानकारी के अनुसार उद्घाटन समारोह में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और भारतीय सेना तथा बीएसएफ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ड्रोनाथॉन-2026 इंडियन एयर फ़ोर्स की एक पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय बिना पायलट वाले सिस्टम उद्योग के साथ सीधे जुड़ना और वास्तविक ऑपरेशनल स्थितियों में उभरती हुई तकनीकों का आकलन करना है। 14 से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे अनमैन्ड सिस्टम इकोसिस्टम से 20 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियाँ, स्टार्ट-अप और इनोवेटर एक साथ आ रहे हैं। ड्रोनाथॉन के दौरान, भाग लेने वाली कंपनियाँ और इनोवेटर पोकरण रेंज में अपने अनमैन्ड एयरक्राफ़्ट सिस्टम और संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे।

अलवर में भाजपा बहुमत से पांच सीटें तो कांग्रेस दस सीट दूर

यहां बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय किंग मेकर की भूमिका निभाएंगे

अलवर, (निसं)। अलवर में नगर निगम में चुनावों का परिणाम आ चुका है यहां दोनों ही पार्टियों को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है सत्ताधारी पार्टी भाजपा बहुमत से पांच सीटें दूर तो कांग्रेस दस सीट दूर है। यहां बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय किंग मेकर की भूमिका निभाएंगे। भाजपा के ज्यादातर पुराने चेहरों को हार का मुंह देखना पड़ा है। वहीं चार बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में इस बार भी अजेय रहे हैं। बहुमत से कुछ दूर भाजपा अलवर नगर निगम में बोर्ड बनाने जा रही है।

वहीं वन मंत्री संजय शर्मा के वार्ड में ही भाजपा को मुंह की खानी पड़ी है। यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। अलवर नगर निगम में बीजेपी का बोर्ड बनना करीब-करीब तय है। निगम में कुल 65 वार्ड हैं, जिनमें से बीजेपी के 28 और कांग्रेस के 23 प्रत्याशी पार्षद का चुनाव जीते हैं। बहुमत के लिए 33 पार्षदों की जरूरत है। बीजेपी को केवल 5 निर्दलीय चाहिए। जबकि 13 निर्दलीय जीते हैं। वहीं कांग्रेस की बात करें तो कांग्रेस को बहुमत के लिए 10 पार्षद चाहिए। बीजेपी की प्रदेश में सरकार है। इस कारण बीजेपी का बोर्ड बनना तय माना जा रहा है। वैसे भी बीजेपी को कांग्रेस की तुलना में आधे ही पार्षदों की जरूरत है।

वैसे सीटों के गणित के हिसाब से कांग्रेस का बोर्ड बनता नजर नहीं आ रहा, लेकिन यदि कांग्रेस के पाले में 10 पार्षद आ जाएं तो बहुमत मिल सकता है। यह सरल नहीं है। मौजूदा कांग्रेस के 23 पार्षदों में सबसे मजबूत कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा व पूर्व सरपंच गब्बर सैनी की पत्नी ममता सैनी हैं। दोनों बोर्ड चलाने में भी समक्ष हैं, लेकिन बहुमत जुटाना बड़ा कठिन है। अब देखना है कि कांग्रेस किस चेहरे को आगे करती है।

अलवर में वार्ड 32 से बीजेपी प्रत्याशी नीलिमा जैन हार गईं, जो पिछली बार सभापति के प्रत्याशी रहे धीरज जैन की पत्नी हैं। वार्ड 23 से बीजेपी की सुमन चौधरी और वार्ड 28 से बीजेपी के सीताराम चौधरी चुनाव हार गए। दोनों पति-पत्नी हैं। वार्ड 38 से बीजेपी के श्याम सुंदर यादव व वार्ड 61 से बीजेपी की सुनीता देवी चुनाव जीत गई। दोनों समधि-समधन हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सबसे करीबी दीपक गर्ग की भाभी रिंकल गर्ग वार्ड 36 से चुनाव हार गई, जो मेयर की सबसे प्रबल दावेदार थीं।

नागौर में 23 निर्दलीय तय करेंगे सभापति

नागौर, (निसं)। नगर परिषद के सभी 60 वार्डों में निर्दलीयों ने 23 वार्ड जीतकर सबसे ज्यादा सीटें हासिल की हैं, जबकि भाजपा को 21, कांग्रेस को 15 और आरएलपी को 1 वार्ड में जीत मिली है। निर्दलीय भाजपा से 2 सीट आगे हैं। किसी भी पार्टी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में बोर्ड बनाने में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे अहम रहेगी। नागौर में कांग्रेस ने 60 में से 46 वार्डों में टिकट दिए थे, जबकि भाजपा ने 49 वार्डों में प्रत्याशी उतारे थे। वार्ड 12 में जीत के साथ ने नगर परिषद में अपना खाता खोला। वार्ड 15 में पूर्व सभापति मीतू बोथरा निर्दलीय और नीतू तोलावत भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं। दोनों हार गईं। निर्दलीय नीलम पुरोहित ने जीत दर्ज की। वार्ड 10 में पूर्व सभापति कृपाराम सोलंकी के बेटे प्रवीण सोलंकी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की और कांग्रेस का खाता खोला। प्रवीण के मामा व पूर्व सभापति मागीलाल भाटी को कांग्रेस का टिकट नहीं मिला था। नाराज होकर उन्होंने भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया, इसके बावजूद प्रवीण जीत गए। समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी जताई। वार्ड 22 में कांग्रेस की मुन्नी सोलंकी और उनकी दो बहुएं बेबी सोलंकी व रेखा सोलंकी निर्दलीय प्रत्याशी थीं। तीनों हार गईं। निर्दलीय रेशमा सोलंकी विजयी रहीं। यानी बहुमत के लिए 31 सीटों से भाजपा 10 और कांग्रेस 16 सीट दूर है। ऐसे में दोनों ही दलों को निर्दलीयों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

भाजपा के कई बड़े चेहरों की हार ने समीकरण बिगाड़ दिए हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला, पूर्व सभापति मीतू बोथरा और नीतू तोलावत जैसे चेहरों की हार के साथ वार्ड 42 में भाजपा जिला महामंत्री कमलेश चौधरी का तीसरे स्थान पर रहना भी पार्टी के लिए झटका है। अब भाजपा की ओर से वार्ड 33 के संतोष टाक का नाम सभापति पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। वहीं कांग्रेस में वार्ड 39 के दीपक सैनी के साथ पूर्व सभापति कृपाराम सोलंकी के बेटे प्रवीण सोलंकी का नाम भी सभापति की दौड़ में सामने आया है।

नतीजों में कई प्रमुख चेहरों को हार का सामना करना पड़ा। वार्ड नंबर 7 से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला चुनाव हार गए। वहीं वार्ड नंबर 15 से पूर्व सभापति मीतू बोथरा और नीतू तोलावत को भी हार मिली। वार्ड नंबर 42 में भाजपा की जिला महामंत्री कमलेश चौधरी भी चुनाव जीतने में सफल नहीं हो सकीं और तीसरे स्थान पर रहीं। बड़े चेहरों की हार ने चुनाव परिणामों को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।

चूरू में भाजपा बहुमत से महज एक कदम दूर

चूरू, (निसं)। निकाय चुनाव-2026 में सोमवार को मतगणना के बाद चूरू नगर परिषद की तस्वीर साफ हो गई है। यहां 60 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस को 24 वार्डों में जीत मिली, जबकि 06 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने बाजी मारी। भाजपा बहुमत के लिए जरूरी 31 सीटों से महज एक कदम दूर है। ऐसे में नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनना लगभग तय माना जा रहा है तथा सत्ता की चाबी अब निर्दलीय पार्षदों के हाथों में नजर आ रही है।

चूरू नगर परिषद के चुनाव परिणामों को लेकर सुबह से ही शहर में उत्सुकता बनी हुई थी। सोमवार सुबह 8 बजे केंद्रीय विद्यालय में मतगणना शुरू हुई। करीब साढ़े 11 बजे तक सभी 60 वार्डों के परिणाम सामने आ गए। वार्ड 50 की ईवीएम में तकनीकी खराबी के चलते कुछ समय के लिए परिणाम अटका रहा, लेकिन बाद में इस वार्ड का परिणाम भी घोषित कर दिया गया। परिणाम जारी होते ही शहर में जश्न का माहौल बन गया। सदर थाने के सामने विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों की भीड़ जुट गई। अपने प्रत्याशी की जीत के बाद समर्थक डीजे की धुन पर जमकर थिरके। कई स्थानों पर आतिशबाजी और मिठाई बांटकर खुशियां मनाई गई।

- **60 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी**
- **कांग्रेस को 24 वार्डों में जीत मिली, 6 वार्डों में निर्दलीय ने बाजी मारी**

भीलवाड़ा में भाजपा को 45 सीटें मिली, कांग्रेस 10 पर सिमटी

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के अंतर्गत नगर निगम भीलवाड़ा व 10 नगर पालिकाओं के सदस्य पदों के निर्वाचन के लिए सोमवार को मतगणना निष्पक्ष व शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। नगर निगम भीलवाड़ा के वार्ड सदस्य पदों की मतगणना जिला मुख्यालय स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय तिलक नगर व 10 नगर पालिकाओं के सदस्यों पदों की मतगणना संबंधित पालिका मुख्यालय पर सम्पन्न हुई। नगर निगम भीलवाड़ा के वार्ड सदस्य पद की मतगणना प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हुई।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम भीलवाड़ा के कुल 70 वार्डों में भाजपा के 45, इंडियन नेशनल कांग्रेस के 10 एवं निर्दलीय के 15 प्रत्याशी विजय घोषित हुए। इसी प्रकार नगर पालिका आसींद के कुल 25 वार्डों में भाजपा 12, कांग्रेस 8 एवं निर्दलीय 5 प्रत्याशी विजयी रहे। वहीं नगर पालिका बनेड़ा के कुल 20 वार्ड में भाजपा 10, कांग्रेस 9 एवं निर्दलीय 1 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका बीगोद में भाजपा 12, कांग्रेस 6 एवं निर्दलीय 7 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका बिजौलियां के कुल 25 वार्ड में भाजपा 12, कांग्रेस 11 एवं निर्दलीय 2 वार्डों में विजयी रहे। इसी प्रकार नगर पालिका गंगापुर के 25 वार्डो में भाजपा के 9, कांग्रेस के 14 एवं निर्दलीय के 2 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका गुलाबपुरा के 35 वार्ड में भाजपा के 14, कांग्रेस के 10 एवं निर्दलीय के 10 तथा आरएलपी के एक प्रत्याशी विजयी रहे।

- **आसींद के 25 वार्डों में भाजपा के 12, कांग्रेस के 8 एवं निर्दलीय के 5 प्रत्याशी विजयी रहे**

नगर पालिका हमीरगढ़ के 20 वार्डों में भाजपा के 8, कांग्रेस के 7 एवं निर्दलीय के 5 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका जहाजपुर के 25 वार्डो में भाजपा के 15, कांग्रेस के 3 एवं निर्दलीय के 7 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका मांडलगढ़ के 20 वार्डो में भाजपा के 11, कांग्रेस के 2 एवं निर्दलीय के 7 प्रत्याशी विजयी रहे। इसी प्रकार शाहपुरा नगर पालिका के 35 वार्डो में भाजपा के 8, कांग्रेस के 22 एवं 5 निर्दलीय प्रत्याशी विजय रहे।

मतगणना के दौरान जिला प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार मतगणना स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था, मतगणना कार्मिकों के लिए आवश्यक सुविधाएं तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए।